B.com-I. Principle of Economics (S) | By, Sujeet Kr. Suman, R.N. College, Hajipur

06.08

wage (objectives)

Q1. व्युत्पन्न माँग का उदाहरण है :

(a.) श्रम की माँग (b) व्यापार की माँग

(c) उपभोग वस्तु की माँग (d) आय माँग

Ans → (a)

Q2. उद्योग का श्रम माँग वक्र दीर्घकाल में होता है :

(a.) बेलोचपूर्ण (b.) पूर्णतया बेलोचदार

(c.) लोचदार (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans → (c)

Q3. मजदूरी कोष सिद्धांत का प्रतिपादन किसने किया :

(a.) जे. एस. मिल (b.) वाकर (c) मार्शल (d) रिकार्डो

Ans → (a)

Q4. 'सामूहिक सौदेबाजी' के अन्तर्गत मजदूरी निर्धारण का संबंध है :

(a) एकाधिकार से (b) द्विपक्षीय एकाधिकार से

(c) अल्पाधिकार से (d) उपर्युक्त सभी

Ans → (b)

Q5. मजदूरी निर्धारण के आधुनिक सिद्धांत के अनुसार मजदूरी का निर्धारण होता है :

(a.) श्रम की माँग द्वारा (b) श्रम की पूर्ति द्वारा

(c) श्रम की माँग एवं पूर्ति द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं

Ans → (c)

(6) Fill in the blanks

(i) श्रम की पूर्ति वक्र ... पीछे ... की ओर झुका होता है।

(ii) श्रम की माँग ... व्युत्पन्न ... माँग होती है

(iii) किसी उद्योग के MRP वक्र का घटता हुआ भाग ही उस उद्योग विशेष के श्रम के ... माँग ... वक्र को बताता है।

(7) निम्न का प्रतिपादन करने वाले अर्थशास्त्री का नाम बताएँ एवं वे क्या है;

(i) श्रम की माँग → व्युत्पन्न माँग

(ii) मजदूरी कोष सिद्धांत → जे. एस. मिल

(iii) सामूहिक सौदेबाजी → द्विपक्षीय एकाधिकार

(iv) मजदूरी का आधुनिक सिद्धांत → मजदूरी का माँग-पूर्ति सिद्धांत

(v) मजदूरी का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत → जे. बी. क्लार्क

—— o ——

Scanned with CamScanner